हरिद्वार में ब्रह्मा बाबा की 57वीं पुण्य तिथि के अवसर पर कार्यक्रम में...

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था एक श्रेष्ठ संस्कार-शाला - महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद गिरि

हरिद्वार-उत्तराखंड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के हरिद्वार सेवाकेन्द्र पर "विश्व शांति दिवस" का कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा एवं दिव्य आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में हरि सेवा आश्रम ट्रस्ट के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद गिरि जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्मा बाबा का शरीर दिव्य तेजोमय एवं असामान्य था, इसी कारण परमात्मा ने उनमें प्रवेश किया। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्व की एकमात्र संस्था है जो धर्म के साथ-साथ मोक्ष की शिक्षा भी देती है। यह एक संस्कार-शाला है, जहाँ से शांति एवं श्रेष्ठ संस्कार सीखकर उन्हें विश्व में फैलाने की प्रेरणा मिलती है। हरिद्वार के संतोषी माँ मंदिर की परमाध्यक्षा महामंडलेश्वरी संतोषी माँ जी महाराज ने कहा कि जब तक जीवन में नित्य, नैतिक अधिनियम एवं नियम नहीं होंगे, तब तक आध्यात्मिक उन्नति सम्भव नहीं है। ब्रह्मा बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि अवतारों की श्रृंखला में दादा भी हैं, जिनमें साक्षात् भगवान शिव का प्रकटीकरण हुआ। उन्होंने संस्था की विशेषताओं की सराहना करते हुए कहा कि शुद्ध आचरण, शुद्ध विचार एवं ब्रह्मचर्य जीवन पर दिया गया बल अत्यंत प्रेरणादायक है। देहरादून सबज़ोन एवं सर्किल की मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी ने ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा कभी कर्त्तव्यों से हटकर तपस्या नहीं करते थे। उनका जीवन कर्मयोगी, चलता-फिरता तपस्वी का था। हरिद्वार सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीना दीदी ने ब्रह्मा बाबा की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहा कि बाबा का जीवन एक खुली पुस्तक की तरह था, जिसे पढ़कर कोई भी प्रेरणा ले सकता है। ब्र.कु. सुशील ने यज्ञ इतिहास पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मा बाबा के महान चरित्रों को स्मरण किया। सभी ने ब्रह्मा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित की। ब्र.कु. स्वाति एवं ब्र.कु. अक्षिता द्वारा ब्रह्मा बाबा की विशेषताओं पर आधारित एक प्रेरणादायक संभाषण प्रस्तुत किया गया।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं महानिर्वाणी अखाड़ा के सचिव महामंडलेश्वर रविंद्र पुरी जी महाराज ने कहा कि 140 देशों में किसी संस्था का विस्तार होना किसी साधारण मानव के लिए सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि भले ही ब्रह्मा बाबा का पंचभौतिक शरीर आज हमारे बीच नहीं है, परंतु उनके द्वारा अर्जित दिव्य ऊर्जा का अनुभव आज भी संस्थान के सभी सेवाकेन्द्रों पर किया जाता है। बाबा के कर्म, साधना और आराधना को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

विश्व ध्यान दिवस की सार्थकता ब्रह्माकुमारीज़ ही साकार कर सकती

देहरादून-उत्तराखंड। विश्व ध्यान दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ देहरादून में 'विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान' विषय को लेकर एक विचार सम्मेलन आयोजित किया की संकल्पना इसी विश्व विद्यालय द्वारा साकार हो सकती है। ज्योतिषाचार्य डॉ. संतोष खंडूड़ी जो मनोज्ञानी, वास्तु-विशेषज्ञ एवं राज्य सरकार के सलाहकार

गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल,निशंक ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ अंतर्मन की यात्रा अनुभूति का अनुपम केन्द्र है। "जो ध्यान करते हैं वही ध्यान रख सकता है और ध्यान दे सकता है।" ध्यान, आत्मा का परमात्मा से मिलन है, और इसी से आनंद की अनुभूति सम्भव है।" आचार्य रमेश सेमवाल जी महाराज,अध्यक्ष,महर्षि परशर ज्योतिष गुरूकुल पीठाधीश्वर,नवग्रह शक्तिपीठ ने कहा कि आत्म-साक्षात्कार का मार्ग ध्यान योग ही दिखा सकता है। ब्रह्माकुमारियों की महिमा करते हुए उन्होंने कहा कि आप शिवबाबा को मानने वाले हैं, मुझे विश्वास है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' ने कहा कि ध्यान, धारणा और समाधि के द्वारा ही परम तत्व का अनुभव किया जा सकता है। जिला बाल एवं महिला संरक्षण अधिकारी रमा रेटका ने भी अपने विचार व्यक्त किए। देहरादून की मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी ने कहा कि मन को नियंत्रण में रखने, विचारों को सकारात्मक दिशा देने व मैं-मेरा भाव समाप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी को हर घंटे एक मिनट ध्यान करने का संकल्प कराया। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मीना दीदी ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. सुशील ने किया।

'नशा मुक्ति वैन' - पूरे भारत की यात्रा

जालंधर-पंजाब। नशामुक्त समाज को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए माउंट आबू से प्रसिद्ध 'नशा मुक्ति वैन', व्यसन मुक्ति जागरूकता प्रदर्शनी पंजाब पहुँची और पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री भगवंत मान एवं श्री अरविंद केजरीवाल,आम आदमी पार्टी प्रमुख द्वारा इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की एक पहल- 'नशा मुक्ति वैन'-पूरे भारत की यात्रा करती है। इसमें एक अनूठी ऑडियो-विजुअल और संवादात्मक प्रदर्शनी है जो नशीली दवाओं, तंबाकू और शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाती है। यह आंतरिक शक्ति और नशा मुक्ति के लिए आध्यात्मिक तकनीकों, जीवनशैली में बदलाव और राजयोग मेडिटेशन को शक्तिशाली उपकरणों के रूप में रेखांकित करती है। पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि ऐसी पहल समाज में आशा और सकारात्मकता पैदा करती है। राजयोगी ब्र.कु. डॉ. बनारसी ने युवाओं को हानिकारक आदतों पर काबू पाने के लिए पवित्रता, सकारात्मकता और ध्यान(मेडिटेशन) को दैनिक अभ्यास के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। ब्रह्माकुमारीज़ पंजाब ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ लुधियाना उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरस्वती दीदी, आदर्श नगर जालंधर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. संधीरा के मार्गदर्शन के तहत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ब्र.कु. डॉ. हिमांशु गोयल, ब्र.कु. जगदीश, ब्र.कु. रश्मि महाजन, ब्र.कु. डॉ. रत्न लाल, ब्र.कु. कृष्ण मिगलानी, एल.पी.यू. के प्रमुख, छात्र तथा अन्य गणमान्य नागरिक की उपस्थिति रही।

हमारी मानसिक अवस्था में छिपा है बीमारी का मूल कारण

नवा रायपुर-शान्ति सरोवर (छ.ग.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुम्बई की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. श्रेया दीदी ने कहा कि अपने हर विचार के लिए हम स्वयं ज़िम्मेदार होते हैं। मन की शान्ति के लिए जरूरी है कि हम सही सोचें। डॉक्टर्स का कहना है कि शरीर की हर बीमारी का मूल कारण हमारी मानसिक अवस्था में छिपा हुआ है। इसलिए किसी बात को मन में दबाकर न रखें। उसे किसी के आगे बतलाकर हल्के हो जाएं। वह ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में शासकीय अधिकारियों के लिए 'प्रशासनिक अधिकारियों में आवश्यक व्यक्तिगत कौशल' पर आयोजित वर्कशॉप में अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। ब्र.कु. श्रेया ने आगे कहा कि जैसा हमारा चिंतन होगा,

वैसा ही हमारा चरित्र और जीवन बनेगा। सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता की असली कुंजी है। वर्तमान समय में बाहरी चुनौतियों से अधिक आंतरिक स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब हम अपने मन को नियंत्रित कर लेते हैं, तो बाहरी परिस्थितियाँ स्वतः ही हमारे अनुकूल होने लगती हैं। उन्होंने बतलाया कि हमारा मन कमज़ोर होगा तो छोटी-छोटी समस्याएं भी पहाड़ जैसी महसूस होंगी। अपनी कार्यक्षमता और निर्णय शक्ति को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन द्वारा आत्मबल को बढ़ाने और उसे मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर बढ़ता दबाव और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनना तभी सम्भव है जब हम प्रतिदिन स्वयं के लिए समय निकालकर मेडिटेशन करेंगे। यदि शासन-प्रशासन में बैठे लोग मानसिक रूप से शांत और प्रसन्न रहेंगे, तो उनकी कार्यक्षमता में न केवल वृद्धि होगी बल्कि समाज को भी एक बेहतर नेतृत्व मिलेगा। श्रेया दीदी ने विचारों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मन एक उपजाऊ भूमि की तरह है। इसमें हम जैसे विचार बोएंगे, वैसी ही फसल काटेंगे। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपनी अंतरात्मा की आवाज़ को पहचानना होगा। यदि हम शान्तचित्त होकर कार्य करेंगे, तो कठिन से कठिन समस्या का समाधान सहजता से मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा में आने वाली चुनौतियों को बाधा मानने के बजाए उन्हें अपनी क्षमता निखारने का अवसर मानना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी को जीवन में स्वच्छता, सादगी और सत्यता को अपनाने का संकल्प दिलाया। प्रारम्भ में छत्तीसगढ प्रशासन अकादमी के संचालक टी.सी. महावर ने गुलदस्ता भेंट कर ब्र.कु. श्रेया दीदी का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशासन अकादमी के महानिदेशक सुब्रत साहू, सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम.के. राउत और अशोक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नार्सीभानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 301-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org